















## स्पीड न्यूज

बाल विद्या मंटिट ने कविता प्रतियोगिता

रामगढ़। कुनूज के आरा कालियरी स्थित बाल विद्या मंटिट विद्यालय में शनिवार का कविता प्रतियोगिता हुई।

प्रतियोगिता में कविता एलकेजी से लेकर दशम वर्ष तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने एक से बढ़कर एक कविता कर समां बांधा। प्राचीर्य राजीत सिंह ने कहा कि कविता वाहन बच्चों में भावनात्मक विकास करती है, और छात्रों उनकी क्षमता का एहसास करती है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में प्रत्याहन तथा रचनात्मक विकास में सहायक लिया होता है। प्राचीर्य ने छात्रों को स्टारफिल्म की कृच प्रतियोगिता को सुनाया।

वरिष्ठ शिक्षिका पृष्ठिया कुमारी ने कविता वाहन के महत्व को बताया। शिक्षिका सुनीला कुमारी ने रेशमरथी की पत्तियां सुनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। मौके पर शिक्षक कामेश्वर प्रसाद, कालेश्वर महतो, भारीरथ प्रसाद, बैजनाथ प्रसाद, रीता कुमारी, सविता कुमारी, सोनी गुरा, देवना पांडे यह सहित छात्र-छात्राएं मोजूद थे।

**रामगढ़ : कई दुकानों में छापेमारी**

रामगढ़। रियिल सर्जन रामगढ़ डॉ महालक्ष्मी प्रसाद एवं जिला कुण्ड निवारण पदाधिकारी डॉ तूलिका रानी के निर्वाचन सुरक्षा शनिवार को जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री ने

रामगढ़ लॉक से बस रस्टेंड तक छापेमारी। 11 दुकानदारों से 2000 रुपए का अर्थिक डंड वसूला। कई दुकानदारों से उनके दुकान पर लगे अधैर बैरेन को निकलना।

तबाक दुकानदारों द्वारा साइंज लगाया जाना अनिवार्य है नहीं रहने पर 200 रुपए का अधैर डंड लिया जाएगा। छापेमारी में तमाकू नियमां पारमर्शी, फूड संपत्ती कमी एवं रामगढ़ थाना का सहयोग रहा।

**नामांकन को लेकर जागरूकता ऐली**

भुरकुड़ा (रामगढ़)। प्राचीर्य बुध बाजार दोलतला में शनिवार को शिक्षा विभाग के स्टार कार्यक्रम के

तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली राजकीय कन्या मध्य विद्यालय भुरकुड़ा से प्रारंभ होकर रीजनल मोहल्ला, पुराना थाना मोहल्ला, बोवी टोला, बिरसा नगर, आजाद नगर, रोल टोला, नायक टोला और दुर्घास सहित विभिन्न कॉलोनियों से होते हुए पुग़ विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने नारे लगाए।

इस दौरान अधीर रोटी खाया, फिर भी स्कूल जाएगे, पढ़ी-लिखी खाया, जाता विद्यार्थी, तभी भी स्कूल जाएगे, मस्मी-पापा का नाम बढ़ाएगों आदि नारों के माध्यम से शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहचान गया। सुखिया सत्यवती दोनों ने कहा कि पंचायत में शिक्षा को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि पंचायत क्षेत्र का काँइ भी बचा शिक्षा से बचत न रह जाए और हम हाश्त प्रतिशत नामांकन व शूरुआत ड्रॉपआउट प्राप्तान्तर का सपना साकार करें। रैली में पूर्ण सुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि लक्ष्य कुमार महतो, रीता कुमारी, रघुवीर रवीश कुमार, उप सुखिया प्रशान्त कुमार, छुपी देवी, ज्योति लकड़ा, रंजू रिंग सहित कई लोग शामिल थे।

**नजदूर युनियन व प्रबंधन के बीच वार्ता**

भुरकुड़ा (रामगढ़)। भुरकुड़ा रेस्ट हाउस में राष्ट्रीय कोनियरी मजदूर युनियन के बैठक रही। बैठक रही। बैठक में सीसीएल प्रबंधन और यूनियन प्रतिनिधियों के बीच विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रबंधन की ओर से भुरकुड़ा परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी, पर्सनल अफसर दिनकर कुमार, सेप्टी मैनेजर पंकज कुमार रिक, सिविल विभाग के उपायोगी अधिकारी सुबेंदु भंडारी और यूनियन की ओर से क्षेत्री सचिव राजू यादव, जीआर भाटा, गणेश राम, शाखा सचिव शिव शंकर पांडे, किशन नायक, जिरेंट तिवारी, मनोज सरकार, पिश्वकर्मी, मनोज करमाली, पंकज, प्रेम, महेवरी, रामेश्वर राम, शूकर अली, अखारस मियां, बच्च यादव, शशि रंजन, अमित पांडे, संतोष बोंसी जूद थे। बैठक में अस्पताल की सुविधाएं, पेयजल व्यवस्था और अन्य जनहित के मुद्दों पर वर्चा हुई। प्रबंधन ने यूनियन की मांगों पर विचार करने के लिए एक समाज का समय मांगा है और समाधान का आश्वासन दिया।

**बच्चों से खिलवाड़ बर्दास्त नहीं: गुरुद्वारा**

कुनूज। डीएसी पालक स्कूल खाटोडाने ने चैनपुर बीत्र के काँफे बच्चों को स्कूल में बस देने एवं अची पांडाई के नाम पर एक्सिशन लिया। लैकिन अब बच्चों के लिए बस एवं पांडाई की व्यवस्था खराब हो गया। इससे बच्चों का भविष्य क्षय हो रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही मादू प्रखड़ मुखिया संघ अध्यक्ष सह नायांडी मुखिया संजय प्रसाद ने विद्यालय के प्रधानार्थी को अवंदेन देवर बच्चों को समीक्षा देने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि स्कूल प्रबंधन का लापानाही से बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

**कुनूज : बाल बाल बाल बालक सवार**

रामगढ़। कुनूज औपी क्षेत्र अंतर्गत सिंही हीरक मार्ग पर ओरला मिडिल स्कूल के सौनीप एक अनियन्त्रित एलपी ट्रक बालक को अपीरी चैप्टर में ले लिया। सौनीप बालक सवार युक्त ने कुट्कर आपीरी जान बर्दाई। घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रक बालक को पैकड़कर कुजु पुलिस के हवाले कर दिया। वही, एलपी ट्रक को ग्रामीण अपीरी देखरेख में रखे हुए हैं। जनकारी के अनुसार शनिवार लगातार 2 बजे नयामोड से सिंही की ओर से जा रहा एलपी ट्रक संख्या बीआर29जीए 4766 का चालक तेज रंग गति से ट्रक को लेकर जा रहा था। ज्योति ट्रक औरला मिडिल स्कूल के सौनीप पहुंच आगे आगे बढ़ते रहे स्टेलर लॉस होडा मोटररायाकिल पर सवार पिंकु प्रसाद साहू पिता प्रमोद प्रसाद साहू ट्रक की शिथित को देखकर कुनूज पुलिस के अपीरासाइकिल से लॉलांग लगा दिया। इस घटना में पिंकु घायल हो गया। जबकि मोटररायाकिल को ट्रक कुल्याकर बूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद मोजूद ग्रामीणों ने उसे बालक को पकड़कर कुनूज पुलिस के हवाले कर दिया।

**स्पीड न्यूज**

रामगढ़। बाल बाल बाल बालक सवार

रामगढ़। कुनूज के आरा कालियरी स्थित बाल विद्या मंटिट विद्यालय में शनिवार का कविता

प्रतियोगिता हुई।

प्रतियोगिता में कविता एलकेजी से लेकर दशम वर्ष तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने एक से बढ़कर एक कविता कर समां बांधा। प्राचीर्य राजीत सिंह ने कहा कि कविता वाहन बच्चों में भावनात्मक विकास करती है, और छात्रों उनकी क्षमता का एहसास करती है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में प्रत्याहन तथा रचनात्मक विकास में सहायक लिया होता है। प्राचीर्य ने छात्रों को स्टारफिल्म की कृच प्रतियोगिता को सुनाया।

वरिष्ठ शिक्षिका पृष्ठिया कुमारी ने रेशमरथी की पत्तियां सुनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। मौके पर शिक्षक कामेश्वर प्रसाद, कालेश्वर महतो, भारीरथ प्रसाद, बैजनाथ प्रसाद, रीता कुमारी, सविता कुमारी, सोनी गुरा, देवना पांडे यह सहित छात्र-छात्राएं मोजूद थे।

# चरही में स्कॉर्पियो ने दो युवकों को कुचला, मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

चरही। शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो युवकों को कुचला और दोनों की मौत हो गयी।

यह हादसा चरही थाना क्षेत्र के चरही-घाटो मार्ग पर रात 9:15 बजे के बीच हुआ। राजू और करण सड़क किनारे दर्घनते हुए बातचीत में मशगूल थे, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें



लापरवाही का आरोप लगाते हुए, कहा कि इस पर वहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लैकिन यह तक दोनों युवकों से फरार हो गया। लापरवाही का खबर जैवारी विभाग ने तेज रफ्तार बताते हुए एक दिन पहले ही गया निवारी और रांची में अस्पताल में आग की तरह फैला रहा था।

लापरवाही का आरोप लगाते हुए, कहा कि इस पर वहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लैकिन यह तक दोनों युवकों से फरार हो गया। लापरवाही का खबर जैवारी विभाग ने तेज रफ्तार बताते हुए एक दिन पहले ही गया निवारी और रांची में अस्पताल में आग की तरह फैला रहा था।

लापरवाही का आरोप लगाते हुए, कहा कि इस पर वहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लैकिन यह तक दोनों युवकों से फरार हो गया। लापरवाही का खबर जैवारी विभाग ने तेज रफ्तार बताते हुए एक दिन पहले ही गया निवारी और रांची में अस्पताल में आग की तरह फैला रहा था।

लापरवाही का आरोप लगाते हुए, कहा कि इस पर वहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लैकिन यह तक दोनों युवकों से फरार हो गया। लापरवाही का खबर जैवारी विभाग ने तेज रफ्तार बताते हुए एक दिन पहले ही गया निवारी और रांची में अस्पताल में आग की तरह फैला रहा था।

लापरवाही का आरोप लगाते हुए, कहा कि इस पर वहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लैकिन यह तक दोनों युवकों से फरार हो गया। लापरवाही का खबर जैवारी विभाग ने तेज रफ्तार बताते हुए एक दिन पहले ही गया निवारी और रांची में अस्पताल में आग की

# शिक्षा में परेशानी से बचाये एजुकेशन लोन

बृजमोहन ओझा  
वै

के एजुकेशन लोन देने से पहले उसकी वापसी यानी रिपेमेंट मुनिश्वित करता है। आमतौर पर लोन उसे ही दिया जाता है, जो इसे वापस करने की क्षमता रखता है। रिपेमेंट लोन लेने वाले स्टूडेंट के अधिकावक कर सकते हैं या किसी लोन लेने वाला स्वयं पढ़ाएंख खत्म करने के बाद रिपेमेंट कर सकता है। लोन लेने के लिए गारंटर की जरूरत पड़ती है। गारंटर लोन लेने वाले का अभिभावक या फिर रिस्टेदार हो सकते हैं। बैंक किसी भी कोर्स के लिए होने वाले खर्चों की पूर्ति करने के लिए वित्तीय मदद मुहैया करता है। एजुकेशन लोन के बायर में देश और विदेश में पढ़ाए जाने वाले कोर्स शामिल होते हैं। आप चाहें तो किसी के लिए भी बैंक से लोन ले सकते हैं।

## जैसी पढ़ाई पैसा लोन

भारत में 12वीं की स्कूली शिक्षा, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, पीएचडी, इंजिनियरिंग, मेडिकल, एप्रीकल्चर, ला, डेंटल, मैनेजमेंट, कंप्यूटर, मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित संस्थानों के कंप्यूटर, कोर्स, आर्सीडीएलप्प, साइए आदि जैसे कोर्सों के लिए एजुकेशन लोन ले सकते हैं। यदि आप विदेश में पढ़ाए करने की चाहत रखते हैं, तो प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी के जॉब ऑफिस ड्रोफेशनल या टेक्निकल कोर्स, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, एमसीए, एमबीए, एमएस आदि के लिए भी एजुकेशन लोन बैंक से हासिल कर सकते हैं।

स्कूल, कालेज और होस्टल की फीस, परीक्षा, लाइब्रेरी और लेबोरेटरी की फीस, किताबें, इंस्ट्रुमेंट्स, इक्विपमेंट, यूनिफॉर्म खरीदन के लिए, विदेश में पढ़ाए के लिए यात्रा खर्च, रास्ते का खर्च, स्टडी टूर, प्रोजेक्ट वर्क, थीसिस इत्यादि के लिए एजुकेशन लोन मिल सकता है।

जब आप एजुकेशन लोन लेने का मन बना लेते हैं, तो आप पहले से ही यह अंदाज लगा लें कि आपकी जरूरत कितनी है? अलग-अलग मद में कितना खर्च होगा? पढ़ने के लिए कहाँ जाना है? कितना समय लगेगा? इस पर विचार करने के बाद अपना बजट तैयार करें और तब करें कि कितना बोझ आप खुद उठा सकते हैं।

मंदी के कारण आजकल मार्केट की स्थिति बेहतर नहीं है। ऐसे में जान लें कि आप जो लोन लेने जा रहे हैं, उसकी

रिपेमेंट सही समय पर हो जाए। इसलिए लोन उतना लिया जाए, जितना आदा कर सके। नौकरी लगने के बाद रिपेमेंट के ऑसान पर विचार करने से पहले सभी विकल्पों और अच्छी-बुरी सभी प्रकार की संभावनाओं पर पूरी तरह विचार कर लिया जाना चाहिए।

बैशक बाजार की मांग और आपूर्ति का इस सेक्टर पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता, लेकिन फ्लोटिंग रेट का असर जरूर पड़ता है। विशेषकर लंबी अवधि के लोन, फ्लोटिंग रेट से प्रभावित होते हैं।

बैंक अन्य लोन की तरह ही एजुकेशन लोन पर भी व्याज वसूलता है, लेकिन यह वसूली करने के लिए उसके पास मुख्य रूप से 3 विकल्प हैं। इनमें एक आकर्षक जरिया है मेरेटोरियम पीरियड जिसे रिपेमेंट हॉलीडे भी कहा जाता है। इसमें विकल्प होता है कि लोन लेने वाला इसकी जिस कोर्स में एडमिशन लिया गया है, उसकी समाप्ति के बाद कर सकते हैं। रिपेमेंट मेरेटोरियम कर्ड बैंक कोर्स की समाप्ति के 1 वर्ष बाद या नौकरी लगने के 6 महीने बाद शुरू करने के विकल्प देते हैं। कोर्स के दौरान सिर्फ व्याज का भुगतान करना होता है। कोर्स पूरा करने के बाद वास्तविक ईएमआई (मूल व व्याज) का पेंटेंट करना होगा। लोन मिलने के तुरंत बाद ईएमआई का भुगतान कर सकते हैं। इस बारे में कई बैंक व्याज दर पर डिस्काउंट भी देते हैं।

## लोन पर व्याज का रख्यान

आमतौर पर एजुकेशन लोन पर व्याज की दर पर्सनल लोन के रेट से कम रहते हैं। कुछ बैंक फिक्स रेट चार्ज करते हैं, तो कुछ फ्लोटिंग रेट पर। इन दोनों में करीब 1 प्रतिशत का अंतर होता है। एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि एजुकेशन लोन की अवधि 5 से 7 वर्ष की होती है, इसलिए रिपेमेंट के लिए फिक्स रेट का ऑसान बैंक नहीं देते। ऐसे में जरूरत है वास्तविक फिक्स रेट की एक्सी धूम लोन लेने की।

कई बैंक लड़कियों के लिए व्याज की दर में डिस्काउंट का ऑसान भी देते हैं। इन दिनों कई बैंक एजुकेशन लोन के लिए प्रोसेसिंग फीस चार्ज नहीं करते। जिस बैंक से आप लोन ले रहे हैं और यदि वह आप से प्रोसेसिंग फीस की मांग कर रहा है, तो आप उस बैंक के साथ नियोगिता लिया जाना चाहिए।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देते। इसके लिए फिक्स रेट का ऑसान बैंक नहीं देते। यदि यह लोन लेने से ही यह अंदाज लगा लेता है कि आपकी जरूरत कितनी है? अलग-अलग मद में कितना खर्च होगा? पढ़ने के लिए कहाँ जाना है? कितना समय लगेगा? इस पर विचार करने के बाद अपना बजट तैयार करें और तब करें कि कितना बोझ आप खुद उठा सकते हैं।

मंदी के कारण आजकल मार्केट की स्थिति बेहतर नहीं है। ऐसे में जान लें कि आप जो लोन लेने जा रहे हैं, उसकी



## एजुकेशन लोन में सावधानी

रिपेमेंट को हालिए कि वे लोन से सावधित जो विवरण और दस्तावेज़ दे रहे हैं, वे पूरी तरह सही हों और बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसूच हों। साथ ही, कोर्स के दौरान कितना खर्च आ सकता है, उसका भी विवरण देना चाहिए। लोन की स्वीकृति बैंक के नियमों के तहत ही दी जाती है। कई बार लोन के दौरान कोर्स और यूनिवर्सिटी की भी ध्यान में रखा जाता है। साथ ही, पेरेट्स या कॉर्सिलिंग के फाइनेंशियल स्टेटस पर भी नज़र रखी जाती है। 4 लाख रुपए तक के एजुकेशन लोन पर किसी सिपायोरिटी की जरूरत नहीं होती है। लेकिन इसके लिए पेरेट्स वे फाइनेंशियल स्टेटस का अप्रेज़ल किया जाता है।

यदि 4 लाख रुपए से ऊपर लोन लेने हैं, तो लोन के अनुसूचित की जरूरत होती है। लोकिन लोन पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लेकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने के 5 वर्षों में पूरा पैमैट करना होता है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और बैंक में ट्रांसफर करने की हालत नहीं देती। कोर्स के दौरान पहले साल उपयोग किए गए लोन का सिपल इंटरेस्ट ही अब करना होता है। लोकिन कोर्स खत्म होने के बाद रिपेमेंट की प्रक्रिया शुरू होने की जाती है।

लोन लेने वाले अपने बूते लोन की प्रीपेमेंट करता है। लोकिन लोन की बाकाया राशि किसी और ब







